• e-paper
• सांध्य संस्करण
• वर्ष 1, अंक 6, पृष्ठ 2
• गुरुवार, 03 सितंबर 2026

अमृत उजाला NEWS

अमृत उजाला

Digital News Paper

Scan to Read in Details

• amritujala.com • उत्तर प्रदेश • देश • दुनिया • व्यापार • मनोरंजन • लखनऊ

लखनऊ में लगातार तीसरे दिन झमाझम बारिश, कई इलाकों में जलभराव; काशी में बाढ़ जैसे हालात

वाराणसी में बढ़ा गंगा का जलस्तर, पीएम मोदी ने डीएम और मेयर से फोन पर की बात; बोले- लोगों को किसी तरह की परेशानी न हो

■ अमर उजाला न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ/वाराणसी। उत्तर प्रदेश में मानसून एक बार फिर सक्रिय है। राजधानी लखनऊ में लगातार तीसरे दिन तेज बारिश का सिलसिला जारी रहा। सुबह से रुक-रुककर हुई बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई। निचले इलाकों में लोगों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ा।

उधर, वाराणसी में गंगा का जलस्तर बढ़ने से बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। नदी के आसपास के कई इलाकों में पानी पहुंचने से प्रशासन और स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ गई है। घाटों और निचले क्षेत्रों में भी जलस्तर बढ़ने का असर दिखाई दे रहा है।

पीएम मोदी ने डीएम और मेयर से लिया हालात का जायजा

वाराणसी के हालात को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिले के डीएम और मेयर से फोन पर बातचीत की। उन्होंने बाढ़ और जलभराव की स्थिति की जानकारी ली और अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रभावित लोगों को किसी तरह की परेशानी न हो। प्रधानमंत्री ने राहत और बचाव कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा जरूरतमंद लोगों तक तत्काल मदद पहुंचाने पर जोर दिया। स्थानीय प्रशासन को भी स्थिति पर लगातार नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं।

बारिश से जनजीवन प्रभावित

लखनऊ में लगातार बारिश के चलते सड़कों पर पानी भरने से यातायात प्रभावित हुआ। कई प्रमुख मार्गों और रिहायशी इलाकों में जलभराव की शिकायतें सामने आईं। नगर निगम और प्रशासन की टीमें पानी की निकासी के लिए सक्रिय हैं।

मौसम के लगातार बिगड़े मिजाज के बीच प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और अनावश्यक रूप से जलभराव वाले क्षेत्रों में न जाने की अपील की है। आने वाले दिनों में भी बारिश जारी रहने की संभावना के चलते निचले इलाकों में विशेष निगरानी रखी जा रही है। ■

दिल्ली जल बोर्ड टेंडर केस में सत्येंद्र जैन को बड़ी राहत, कोर्ट ने दी जमानत

■ अमर उजाला न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मंत्री और आम आदमी पार्टी के नेता सत्येंद्र जैन को दिल्ली जल बोर्ड से जुड़े कथित टेंडर घोटाले के मामले में बड़ी राहत मिली है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने गुरुवार को उनकी जमानत याचिका मंजूर कर ली।

मामला दिल्ली जल बोर्ड के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP) के अपग्रेडेशन से जुड़े ठेकों की टेंडर प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं का है। इस मामले की जांच दिल्ली की एंटी करप्शन ब्रांच (ACB) कर रही है।

विशेष न्यायाधीश (पीसी एक्ट) दिग्विनय सिंह ने सत्येंद्र जैन को जमानत देने का आदेश पारित किया। ACB ने उन्हें इस मामले में 18 अगस्त 2026 को गिरफ्तार किया था। इससे पहले 19 अगस्त को अदालत ने उनकी गिरफ्तारी को अवैध घोषित करने से इनकार कर दिया था।

टेंडर प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप

यह मामला मई 2024 में दिल्ली सरकार के डायरेक्टोरेट ऑफ विजिलेंस की शिकायत के बाद दर्ज किया गया था। जांच एजेंसी का आरोप है कि दिल्ली जल बोर्ड के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स को अपग्रेड करने से जुड़े ठेकों की प्रक्रिया में कथित तौर पर शर्तों में हेरफेर किया गया। मामले में आपराधिक साजिश और कथित रिश्वतखोरी के आरोपों की भी जांच की जा रही है।

सत्येंद्र जैन को जमानत मिलने के बावजूद मामले की जांच और उससे जुड़ी कानूनी प्रक्रिया जारी रहेगी। अदालत के इस आदेश को फिलहाल जैन के लिए बड़ी राहत के तौर पर देखा जा रहा है। ■

लखनऊ में जाम से मिलेगी राहत, 12 प्रमुख मार्गों पर तैनात होंगे 25 रूट मार्शल

■ अमर उजाला न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में लगातार लगने वाले जाम से लोगों को राहत दिलाने के लिए यातायात व्यवस्था में बदलाव की तैयारी की जा रही है। शहर के 12 प्रमुख और जाम प्रभावित मार्गों पर 25 रूट मार्शल तैनात किए जाएंगे। इनकी जिम्मेदारी संबंधित मार्गों पर यातायात को सुचारु बनाए रखने और जाम की स्थिति बनने से पहले उसे नियंत्रित करने की होगी।

यातायात व्यवस्था को बेहतर करने के लिए आरटीसी (रूट ट्रैफिक कंट्रोल) प्रोजेक्ट के तहत यह पहल की जा रही है। इसके जरिए प्रमुख मार्गों पर यातायात के दबाव की लगातार निगरानी की जाएगी और जरूरत के मुताबिक तत्काल व्यवस्था में बदलाव किया जाएगा।

जाम वाले स्थानों पर रहेगी विशेष नजर

रूट मार्शल अपने-अपने निर्धारित मार्गों पर तैनात रहेंगे। वे चौराहों, प्रमुख कट और ऐसे स्थानों पर विशेष नजर रखेंगे जहां अक्सर वाहनों की लंबी कतार लगती है। यातायात बाधित होने की स्थिति में मौके पर पहुंचकर वाहनों की आवाजाही सामान्य कराने का प्रयास किया जाएगा।

इसके अलावा गलत तरीके से वाहन खड़े करने, सड़क पर अवरोध और यातायात नियमों के उल्लंघन जैसी समस्याओं की भी सूचना संबंधित अधिकारियों को दी जाएगी।

यातायात प्रबंधन को बनाया जाएगा ज्यादा प्रभावी

अधिकारियों के मुताबिक आरटीसी प्रोजेक्ट का उद्देश्य केवल जाम लगने के बाद उसे हटाना नहीं, बल्कि जाम की संभावित स्थिति को पहले से पहचानकर यातायात को नियंत्रित करना है। इसके लिए प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक के दबाव और आवाजाही के पैटर्न का अध्ययन भी किया जाएगा।

रूट मार्शलों की तैनाती से यातायात पुलिस को भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में त्वरित कार्रवाई करने में मदद मिलेगी। योजना के प्रभावी होने के बाद राजधानी के प्रमुख मार्गों पर यातायात व्यवस्था अधिक व्यवस्थित होने की उम्मीद है। ■

वाराणसी से दिल्ली जा रही फ्लाइट में धुएं का अलार्म बजा, लखनऊ में कराई गई इमरजेंसी लैंडिंग

■ अमर उजाला न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वाराणसी से दिल्ली जा रही एक फ्लाइट में अचानक धुएं का अलार्म बजने से यात्रियों और क्रू में हड़कंप मच गया। स्थिति को देखते हुए पायलट ने एहतियात के तौर पर विमान को लखनऊ एयरपोर्ट पर उतारने का फैसला किया। विमान की लखनऊ एयरपोर्ट पर सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई।

घटना के बाद एयरपोर्ट पर सुरक्षा और तकनीकी टीमों को तत्काल सक्रिय किया गया। विमान की गहन जांच की गई, ताकि अलार्म बजने के कारणों का पता लगाया जा सके।

यात्रियों में मची अफरा-तफरी

विमान के भीतर धुएं का अलार्म बजने के बाद कुछ समय के लिए यात्रियों के बीच चिंता और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि पायलट और क्रू ने स्थिति को संभालते हुए यात्रियों को शांत रहने के लिए कहा।

लखनऊ एयरपोर्ट पर विमान के उतरने के बाद यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। विमान में वास्तव में धुआं था या तकनीकी कारण से अलार्म सक्रिय हुआ, इसकी जांच की जा रही है।

दिल्ली जा रही थी फ्लाइट

यह विमान वाराणसी से दिल्ली के लिए रवाना हुआ था। उड़ान के दौरान धुएं का अलार्म सक्रिय होने के बाद पायलट ने सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए लखनऊ में लैंडिंग कराई। घटना के चलते यात्रियों की दिल्ली यात्रा प्रभावित हुई।

विमान की तकनीकी जांच पूरी होने के बाद ही आगे की उड़ान को लेकर फैसला लिया जाएगा। ■

मायावती ने आकाश आनंद को फिर दिया झटका, कहा- अभी और परिपक्व होने की जरूरत

बड़ी जिम्मेदारी से रखा दूर, अहम बैठक में भी नहीं बुलाया गया; पहली बार पार्टी के मंच पर नजर आए छोटे भाई ईशान आनंद

■ अमर उजाला न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) में आकाश आनंद की राजनीतिक भूमिका को लेकर एक बार फिर बड़ा बदलाव सामने आया है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने स्पष्ट किया है कि आकाश आनंद को फिलहाल पार्टी की कोई बड़ी जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि आकाश को राजनीति में अभी और अधिक परिपक्व होने की जरूरत है।

मायावती ने यह फैसला लखनऊ में आयोजित बसपा की राष्ट्रीय स्तर की महत्वपूर्ण बैठक के दौरान स्पष्ट किया। खास बात यह रही कि इस बैठक में आकाश आनंद मौजूद नहीं थे। पार्टी की ओर से उन्हें बैठक में नहीं बुलाया गया।

ईशान आनंद की पहली बार अहम मंच पर मौजूदगी

आकाश आनंद की गैरमौजूदगी के बीच उनके छोटे भाई ईशान आनंद पहली बार बसपा के एक बड़े आधिकारिक मंच पर नजर आए। बैठक में ईशान अपने पिता आनंद कुमार और मायावती के साथ दिखाई दिए। इसके बाद बसपा के भीतर ईशान की संभावित राजनीतिक भूमिका को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं।

हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ईशान आनंद को पार्टी में कोई औपचारिक राजनीतिक जिम्मेदारी दी जाएगी या नहीं। उनकी बैठक में मौजूदगी को लेकर राजनीतिक हलकों में तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं।

मायावती ने बताई बड़ी जिम्मेदारी न देने की वजह

मायावती ने कहा कि आकाश आनंद को पार्टी में काम करने की अनुमति है, लेकिन उन्हें अभी राजनीतिक रूप से और अधिक परिपक्व होने की आवश्यकता है। जब तक ऐसा नहीं होता, तब तक उन्हें पार्टी की बड़ी जिम्मेदारी देना उचित नहीं होगा।

मायावती ने आगामी चुनावों के मद्देनजर पार्टी संगठन को मजबूत करने और विरोधियों की रणनीतियों से सावधान रहने पर भी जोर दिया। बैठक में उत्तर प्रदेश समेत उन राज्यों की चुनावी तैयारियों और संगठनात्मक स्थिति की समीक्षा की गई, जहां आगामी समय में विधानसभा चुनाव होने हैं।

आकाश आनंद को पहले मायावती के राजनीतिक उत्तराधिकारी के तौर पर प्रमुख भूमिका दी गई थी। ऐसे में उन्हें फिर बड़ी जिम्मेदारी से दूर किए जाने और उसी समय ईशान आनंद की पार्टी के बड़े मंच पर मौजूदगी ने बसपा की आगे की रणनीति को लेकर नई राजनीतिक चर्चाओं को जन्म दे दिया है। ■

पीएम मोदी के जन्मदिन पर भाजपा का मेगा अभियान,

17 सितंबर से एक महीने तक होंगे सेवा के कार्यक्रम

देशभर में चलेगा 'सेवा संकल्प अभियान', 13 तरह के कार्यक्रमों के जरिए जनता तक पहुंचेगी पार्टी

■ अमर उजाला न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को खास बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने देशभर में व्यापक कार्यक्रम आयोजित करने की तैयारी की है। भाजपा की ओर से 17 सितंबर से करीब एक महीने तक 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया जाएगा। इस दौरान देशभर में अलग-अलग स्थानों पर 13 तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

अभियान का उद्देश्य सेवा, जनकल्याण और सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों के जरिए अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच बनाना है। पार्टी के नेता और कार्यकर्ता विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेंगे।

13 तरह के कार्यक्रमों पर रहेगा जोर : अभियान के तहत स्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्यावरण, रक्तदान और सामाजिक सेवा से जुड़े कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पार्टी कार्यकर्ताओं को स्थानीय स्तर पर जरूरतमंदों की मदद और जनसेवा से जुड़े कार्यों में भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जाएंगे।

भाजपा की योजना है कि प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन से शुरू होने वाला यह अभियान केवल एक दिन तक सीमित न रहे, बल्कि पूरे महीने अलग-अलग गतिविधियों के माध्यम से जारी रहे।

देशभर में होंगे कार्यक्रम

भाजपा संगठन ने राज्यों और स्थानीय इकाइयों को अभियान की तैयारियां शुरू करने को कहा है। प्रदेश से लेकर बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने की तैयारी की जा रही है।

पार्टी का मानना है कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर सेवा कार्यों के जरिए समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंच बनाई जा सकती है। अभियान के दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में स्थानीय जरूरतों और परिस्थितियों को भी ध्यान में रखा जाएगा।

17 सितंबर से शुरू होने वाला यह एक महीने का अभियान भाजपा के संगठनात्मक स्तर पर भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ■

F-16 गिराने वाले अभिनंदन ने वायुसेना को कहा अलविदा

■ अमर उजाला न्यूज़ नेटवर्क

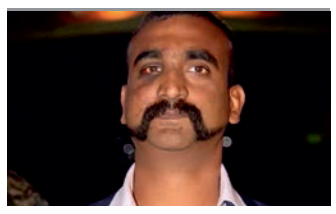

भारतीय वायुसेना के जांबाज अधिकारी ग्रुप कैप्टन अभिनंदन वर्धमान को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। 2019 में पाकिस्तान के F-16 लड़ाकू विमान को मार गिराने के बाद देशभर में चर्चा में आए अभिनंदन ने भारतीय वायुसेना से विदाई ले ली है। जानकारी के मुताबिक, अब वह कमर्शियल एविएशन की दुनिया में अपनी नई पारी शुरू कर चुके हैं। बताया जा रहा है कि अभिनंदन क्षेत्रीय एयरलाइन Fly91 में पायलट के रूप में शामिल हुए हैं।

अगस्त से Fly91 के साथ शुरू की नई पारी : समाचार एजेंसी PTI ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि अभिनंदन वर्धमान ने अगस्त 2026 में गोवा स्थित Fly91 के साथ काम शुरू किया। हालांकि, उनकी नियुक्ति और भूमिका को लेकर एयरलाइन की ओर से आधिकारिक तौर पर विस्तृत जानकारी साझा नहीं की गई है। Fly91 के प्रवक्ता ने कर्मचारियों से जुड़ी निजी जानकारी का हवाला देते हुए इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। Fly91 ने मार्च 2024 में अपनी व्यावसायिक उड़ान सेवाएं शुरू की थीं। कंपनी का संचालन मुख्य रूप से गोवा और हैदराबाद से होता है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार एयरलाइन के बेड़े में फिलहाल छह विमान शामिल हैं।

2019 में पाकिस्तानी F-16 को बनाया था निशाना : अभिनंदन वर्धमान का नाम भारतीय सैन्य इतिहास की एक बेहद चर्चित घटना से जुड़ा है। फरवरी 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के बाद भारतीय वायुसेना ने 26 फरवरी को पाकिस्तान के बालाकोट में आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की थी। इसके अगले दिन पाकिस्तान की वायुसेना ने भारतीय सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की। 27 फरवरी 2019 को दोनों देशों के लड़ाकू विमानों के बीच हवाई मुठभेड़ हुई। इसी दौरान अभिनंदन ने अपने मिग-21 बाइसन से पाकिस्तानी वायुसेना के एक F-16 विमान को मार गिराया। हालांकि, इस कार्रवाई के दौरान उनका अपना विमान भी दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उन्हें पाकिस्तान में पकड़ लिया गया।

तीन दिन बाद हुई थी भारत वापसी: पाकिस्तान में हिरासत में लिए जाने के बाद अभिनंदन की रिहाई को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव काफी बढ़ गया था। करीब तीन दिन बाद, 1 मार्च 2019 को पाकिस्तान ने उन्हें भारत को सौंप दिया। उनकी वापसी के बाद अभिनंदन देशभर में साहस और कर्तव्यनिष्ठा के प्रतीक बन गए।

वीर चक्र से हुए सम्मानित : अभिनंदन वर्धमान के अदम्य साहस और सैन्य कर्तव्य के प्रति समर्पण को देखते हुए भारत सरकार ने उन्हें वीर चक्र से सम्मानित किया। वर्ष 2021 में उन्हें यह वीरता पुरस्कार प्रदान किया गया था। वीर चक्र युद्धकाल में दिया जाने वाला भारत का तीसरा सर्वोच्च वीरता सम्मान है। अब वायुसेना के बाद विमानन क्षेत्र में उनकी नई भूमिका को लेकर लोगों की नजरें उनके अगले सफर पर टिकी हैं। ■

मनोरंजन

थिएटर में फिल्म 'हनुमान अंश' देखने पहुंचा मुस्लिम शख्स

फिल्म 'हनुमान अंश' 07 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। शुरुआती दो हफ्ते तक इस फिल्म को खास तवज्जो नहीं मिली थी। मगर, तीसरे वीक से इसने कमाई की ऐसी रफ्तार पकड़ी कि भारत में कलेक्शन 60 करोड़ पार हो चुका है। इस बीच एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसमें मुस्लिम युवक भी यह फिल्म देखने थिएटर पहुंचा है।

सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है। इसमें एक मुस्लिम शख्स को थिएटर में बैठे देखा जा सकता है। दिलचस्प बात यह है कि वे नीम करौली बाबा के जीवन पर बनी आध्यात्मिक फिल्म 'हनुमांश अंश' का शो देखने पहुंचे हैं। युवक सफेद रंग के कुर्ता पजामा में नजर आ रहा है। सिर पर टोपी है। मगर, पैरों पर नजर जाएगी तो वे नंगे पैर यह फिल्म देख रहे हैं।

इस वायरल वीडियो पर नेटिजंस की सकारात्मक प्रतिक्रिया आ रही है और यूजर्स तारीफ कर रहे हैं। कुछ यूजर्स लिख रहे हैं कि राजनीतिक ध्रुवीकरण इस शख्स की सोच को दूषित नहीं कर पाया है। एक यूजर ने लिखा, 'इन्हें देखकर ही मैं आया हूं'। एक यूजर ने लिखा है, 'बिना राजनीति वाला भारत'। वहीं, कुछ यूजर्स इस बात की तारीफ कर रहे हैं कि वे चप्पल उतारकर यह फिल्म देख रहे हैं।

विदेशों में भी रिलीज होगी 'हनुमान अंश'

फिल्म 'हनुमान अंश' भारत के बाद अब विदेशों में रिलीज होने जा रही है। इसकी ओवरसीज रिलीज की जिम्मेदारी होम्बले फिल्म्स ने संभाली है। इस फिल्म के जरिए अब दुनियाभर के दर्शक नीम करौली बाबा के जीवन से रुबरु हो सकेंगे। फिल्म 'हनुमान अंश' 11 सितंबर 2026 को दुनियाभर में रिलीज होगी। बता दें कि फिल्म का भारतीय बॉक्स ऑफिस पर नेट कलेक्शन 62.12 करोड़ रुपये हो चुका है। फिल्म के साथ-साथ इसके गाने भी खूब पसंद किए जा रहे हैं। ■

खेल

एशियन गेम्स 2026

एशियाई खेल 2026 के लिए में भारत के सबसे बड़े पदक दावेदारों में शामिल नीरज चोपड़ा इस बार अपने खिताब का बचाव करते नजर नहीं आएंगे। चोट के कारण वह एशियन गेम्स से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह भारतीय एथलेटिक्स फेडरेशन ने ग्लास्गो कॉमनवेल्थ गेम्स के कांस्य पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी यशवीर सिंह को टीम में शामिल किया है। एशियन गेम्स 2026 19 सितंबर से चार अक्तूबर तक जापान के आइची-नागोया में आयोजित किए जाएंगे।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (AFI) ने गुरुवार को आगामी एशियन गेम्स के लिए 77 सदस्यीय ट्रैक एंड फील्ड टीम घोषित की। यशवीर सिंह को पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में शामिल किया गया है। उनके साथ रोहित यादव भी भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा को पहले 73 सदस्यीय टीम में जगह दी गई थी। वह जकार्ता 2018 और हांगझोउ 2023 में जीते अपने एशियन गेम्स खिताब का बचाव करने वाले थे, लेकिन चोट के कारण अब वह जापान में होने वाले खेलों का हिस्सा नहीं होंगे। यशवीर ने हाल में ग्लासगो में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में कांस्य पदक जीतकर अपनी दावेदारी मजबूत की थी। ऐसे में नीरज की गैरमौजूदगी में उनसे भारत को भाला फेंक में पदक की उम्मीद होगी।

पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ में भारत को एक और झटका लगा है। ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स के दौरान पैर में दो स्ट्रेस फ्रैक्चर झेलने वाले तेजस शिरसे को टीम से बाहर कर दिया गया है। वहीं, शुरुआती टीम में छह नए खिलाड़ियों को जगह मिली है। इनमें 200 मीटर धावक हरिता भद्रा, 400 मीटर धाविका किरण पहल, पोल वॉल्टर सिंधुश्री जी, ट्रिपल जंपर आई आशा इलांगो, डिस्कस थ्रोअर सान्या यादव और हैमर थ्रोअर प्रवीण कुमार शामिल हैं।

100 मीटर बाधा दौड़ की स्टार ज्योति याराजी भी टीम में हैं। हांगझोउ में रजत पदक जीतने वाली ज्योति इस बार स्वर्ण पदक पर नजर रखेंगी। लॉन्ग जंप में मुरली श्रीशंकर भारत की बड़ी उम्मीद होंगे। ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने अपना दूसरा रजत पदक जीता था। वह पिछले एशियन गेम्स में भी रजत पदक विजेता रहे थे। इसके अलावा तेजस्विन शंकर, गुलवीर सिंह, मोहम्मद अफजल, एंसी सोजन, प्रवीण चित्रवेल और विथ्या रामराज जैसे हांगझोउ पदक विजेता भी टीम में शामिल हैं।

हांगझोउ एशियन गेम्स में एथलेटिक्स भारत का सबसे सफल खेल रहा था। भारतीय एथलीटों ने कुल 29 पदक जीते थे, जिसमें 6 स्वर्ण, 14 रजत और 9 कांस्य शामिल थे। इस बार भी एथलेटिक्स से भारत को बड़ी संख्या में पदक मिलने की उम्मीद है। ■

प्रहार: बदलते आतंकवाद के विरुद्ध भारत की समग्र राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी रणनीति

लेखक : मोहित मौर्य
आंतरिक सुरक्षा एवं सामरिक विषयों के विश्लेषक

भारत आज़ादी के बाद से ही आतंकवाद की चुनौती से जूझ रहा है। सीमा पार के आतंकी संगठनों और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क ने देश के लिए गंभीर खतरे पैदा किए हैं। समय के साथ आतंकवाद का स्वरूप बदल गया है। अब यह सिर्फ हथियार और गोला-बारूद तक सीमित नहीं है बल्कि साइबर हमले, ड्रोन से तस्करी, एन्क्रिप्टेड कम्युनिकेशन, डिजिटल टेरर फाइनेंसिंग, डार्क वेब का इस्तेमाल और स्थानीय युवाओं में कट्टरपंथ फैलाना जैसे आधुनिक तरीके भी अपना चुका है।

इन्हीं बदलती चुनौतियों से निपटने के लिए गृह मंत्रालय ने 'प्रहार' नाम से एक राष्ट्रीय काउंटर-टेररिज्म पॉलिसी और स्ट्रैटेजी बनाई है। यह नीति आतंकवाद से निपटने के लिए एक स्पष्ट और व्यवस्थित ढांचा देती है। 'प्रहार' में भारत के सामने मौजूद खतरों की पहचान, कानूनी उपाय, संस्थागत व्यवस्थाएं और दीर्घकालिक रणनीति शामिल हैं। इसका मकसद आंतरिक सुरक्षा के सभी पहलुओं को एक समग्र दृष्टिकोण के साथ जोड़कर आतंकवाद का मुकाबला करना है।

गृह मंत्रालय ने भारत की पहली व्यापक राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी नीति और रणनीति 'प्रहार' लॉन्च की है, जो आतंकवाद से निपटने के तरीके में एक बड़े बदलाव का प्रतीक है। अब तक की रिएक्टिव यानी हमले के बाद कार्रवाई वाली सोच को छोड़कर यह नीति प्रोएक्टिव है — यानी हमला होने के बाद जवाब देने की बजाय उसे होने से पहले ही रोकना।

'प्रहार' के मुख्य स्तंभ हैं: आतंकी हमलों की रोकथाम, त्वरित और आनुपातिक जवाब, आंतरिक क्षमताओं को जोड़ने वाला 'पूरे-सरकार' (Whole-of-Government) का नजरिया, आतंक को बढ़ावा देने वाली स्थितियों को कमजोर करना आदि।

भारत की इंटेलिजेंस-बेस्ड रोकथाम स्ट्रैटेजी संकट को पहले ही निष्क्रिय करने पर फोकस करती है, जिसमें IB के तहत MAC और JTFI रियल-टाइम इंटेलिजेंस शेयरिंग का मुख्य प्लेटफॉर्म हैं जो केंद्रीय एजेंसियों और राज्य पुलिस को जोड़ते हैं। इसके तहत साइबरस्पेस में आतंकी भर्ती-प्रोपेगैंडा को ट्रैक कर रोका जाता है, और आतंकियों को लॉजिस्टिक्स, शेल्टर व फाइनेंस देने वाले OGW/स्लीपर सेल नेटवर्क को ध्वस्त करना अहम हिस्सा है।

किसी भी अनहोनी पर भारत का रिस्पॉन्स तेज और कोऑर्डिनेटेड होता है। इसके लिए तीन-लेयर सिक्योरिटी स्ट्रक्चर है जहां BSF और इमिग्रेशन अथॉरिटी लेटेस्ट इक्विपमेंट से लैस हैं, साथ ही न्यूक्लियर, स्पेस, रेलवे और एविएशन जैसे सेंसिटिव सेक्टर्स के लिए खास सुरक्षा क्षमता विकसित की गई है। गृह मंत्रालय के SOP के तहत NSG और CAPF लोकल पुलिस के साथ मिलकर काम करते हैं, और NSG राज्य फोर्स को सिविल वॉरफेयर ट्रेनिंग भी देता है।

आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए भारत युवाओं के कट्टरपंथ की वजह बनने वाले हालात पर वार करता है। भटके युवाओं को पहचान कर मुख्यधारा में लाने के लिए सिस्टमैटिक पुलिसिंग, जेलों में कट्टरपंथी कैदियों पर खास निगरानी और सामाजिक जागरूकता पर जोर है। धार्मिक नेताओं, प्रचारकों और NGOs के साथ मिलकर शांति और सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखते हैं ताकि युवा गुमराह न हों। साथ ही सेंसिटिव इलाकों में युवाओं-महिलाओं के लिए स्कॉलरशिप, लोन, शिक्षा और रोजगार बढ़ाकर आर्थिक आजादी दी जा रही है, जिससे गरीबी-बेरोजगारी का फायदा उठाकर देश-विरोधी तत्व उन्हें न भटका सकें।

भारत आतंकवाद को बॉर्डर-रहित ग्लोबल खतरा मानकर एक्सट्रैडिशन संधि और जॉइंट वर्किंग ग्रुप के जरिए भगोड़ों की वापसी सुनिश्चित करता है, साथ ही UN में 'कॉम्प्रिहेंसिव कन्वेंशन ऑन इंटरनेशनल टेररिज्म (CCIT)' के लिए दबाव बनाता है ताकि आतंकवाद की एक समान परिभाषा हो। देश के अंदर सभी राज्यों/UTs की काउंटर-टेरर यूनिट्स के इंफ्रास्ट्रक्चर, ट्रेनिंग और जांच के तरीके में हार्मोनाइजेशन लाकर उन्हें एक यूनिट की तरह काम करने लायक बनाया जा रहा है, और FIR से लेकर सजा तक हर स्टेज पर कानूनी एक्सपर्ट्स शामिल किए जाते हैं। AI, ड्रोन और क्रिप्टोकरेंसी जैसी टेक्नोलॉजी से होने वाली टेरर फाइनेंसिंग रोकने के लिए भी इंटरनेशनल पार्टनर्स के साथ नए सिक्योरिटी प्रोटोकॉल डेवलप किए जा रहे हैं।

'प्रहार' भारत की 'जीरो टॉलरेंस' नीति को दर्शाती है, जहां सिक्योरिटी फोर्सेस की ताकत, कानून का राज और समाज का सामूहिक प्रयास एक साथ काम करते हैं। देश की अखंडता बनाए रखने के लिए यह स्ट्रैटेजी पूरी तरह कमिटेड है, क्योंकि आंतरिक शांति और व्यवस्था ही विकास की बुनियाद है। आतंकवाद सिर्फ भारत नहीं, पूरी दुनिया की समस्या है, इसलिए इसे खत्म करने के लिए ग्लोबल लेवल पर सख्त, एकजुट कानूनी कार्रवाई जरूरी है ताकि देरी न हो और आतंकियों पर तुरंत रोक लगे। ■

अमृत उजाला ई-पेपर
amritujala.com
का डिजिटल प्रकाशन है
प्रधान संपादक
डा. अखंड प्रताप सिंह
कार्यकारी संपादक
सुषमा पांडेय
संपर्क
editor@amritujala.com
अमृत उजाला न्यूज नेटवर्क 328 एक्सपिरियो बिल्डिंग, विभूति खंड, गोमती नगर, लखनऊ -226010